

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

30-10-2024

अभी ज्वालामुखी बन आसुरी संस्कार, आसुरी स्वभाव सब-कुछ भस्म करो। जैसे देवियों के यादगार में दिखाते हैं कि ज्वाला से असुरों का संघार किया। असुर कोई व्यक्ति नहीं लेकिन आसुरी शक्तियों को खत्म किया। यह अभी आपकी ज्वाला स्वरूप स्थिति का यादगार है। अब ऐसी योग की ज्वाला प्रज्ज्वलित करो जिससे आसुरी संस्कार भस्म हो जाएं और यह कलियुगी संसार परिवर्तन हो जाये।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

Now become volcanic and finish all your devilish sanskars and devilish nature. In the memorial of the goddesses, it is shown that the devils were destroyed with the flames. Devils are not beings, but it was the devilish powers were destroyed. This is a memorial of your volcanic stage. Now, ignite such a flame of yoga, in which the devilish sanskars are burnt and this iron-aged world is transformed.